मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC-106

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

बी.एस.के.सी.-106 : काव्यशास्त्र और साहित्यिक आलोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के पश्चात् उसके अंक दिये गये हैं।

(iii) हिन्दी ***अथवा*** *अंग्रेजी* ***अथवा*** *संस्कृत में से किसी एक भाषा में प्रश्नों के उत्तर देने हैं।*

---

1. काव्यशास्त्र के उद्‌भव और विकासयात्रा को स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

काव्य के भेदों का विशद विवेचन कीजिए।

2. लक्षणा शब्द-शक्ति का विशद विवेचन कीजिए। 20

अथवा

मम्मट के काव्य-प्रयोजन का वर्णन कीजिए।

3. कथा और आख्यायिका का लक्षण बताते हुए दोनों में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

मम्मट के काव्य-लक्षण की व्याख्या कीजिए।

4. रस की अलौकिकता पर निबन्ध लिखिए। 10

अथवा

मम्मट के काव्य-हेतु को स्पष्ट कीजिए।

5. उपमा **अथवा** श्लेष का लक्षण बताते हुए उदाहरण को स्पष्ट कीजिए। 10

6. निम्नलिखित श्लोक में कौन-सा अलंकार है ? लक्षण को बताते हुए स्पष्ट कीजिए : 10

ततोऽरुण परिस्पन्दमन्दीकृतवपुः शशी।

दध कामपरिक्षामकामिनीगण्डपाण्डुताम्॥

अथवा

नवपलाशपलाशवनं पुरःस्फुटपरागपरागतपङ्कजम्।

मृदुलतान्तलतान्तमलोकयत् स सुरभिं सुरभिं सुमनो भरैः॥

7. आर्या **अथवा** मालिनी छन्द का लक्षण देते हुए उसके उदाहरण श्लोक को लिखकर उसका स्पष्टीकरण लिखिए। 10

8. निम्नलिखित श्लोक में कौन-सा छन्द है ? उसका लक्षण बताते हुए स्पष्टोकरण दोजिए : 10

वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थ प्रतिपत्तये।

जगतः पितरौ वन्दे पार्वती परमेश्वरौ॥

अथवा

उपेत्य नागेन्द्र तुरङ्गतीर्णे तमारुणिं दारुणकर्मदशम्।

विकीर्ण बाणोग्रतरङ्गभङ्ग महार्णवाभे युधि नाशयामि॥